कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल के पास, कोटा

प्रबन्ध मण्डल की विशिष्ट् बैठक दिनांक–07.03.2016
कार्यवृत (Minutes)

प्रबन्ध मण्डल की 28वीं बैठक दिनांक 07.03.2016 को अपरान्ह 12:15 बजे विश्वविद्यालय सभा–कक्ष में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:–

	प्रो0 पी.के. दशोरा माननीय कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	श्रीमति मंजू शर्मा कुलाधिपति द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य
3.	डॉ0 जगतनारायण कुलाधिपति द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य
4.	श्री हीरालाल नागर, माननीय विधायक–सांगोद राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक	सदस्य
5.	श्रीमति चन्द्रकान्ता मेघवाल, माननीय विधायक–रामगंजमण्डी राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक	सदस्य
6.	श्री मनिराम खटीक कुलपति द्वारा नाम निर्देशित अधिष्ठाता	सदस्य
7.	डॉ0 प्रेम जैन राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित प्राचार्य	सदस्य
8.	प्रो0 एन.के. जैमन कुलपति द्वारा नाम निर्देशित अधिष्ठाता	सदस्य
9.	प्रो0 आशु रानी कुलपति द्वारा नाम निर्देशित आचार्य	सदस्य
10.	श्री अम्बिका दत्त कुलसचिव	सदस्य सचिव

प्रमुख शासन सचिव–वित्त विभाग राजस्थान सरकार ; प्रमुख शासन सचिव– उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार तथा आयुक्त महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान, जयपुर, प्रो0 विजय श्रीमाली, डॉ0 वी.के. वशिष्ठ, प्रो0 राजीव जैन बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक का प्रारम्भ माँ सरस्वती की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। माननीय कुलपति महोदय ने सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन किया तथा सदन को अवगत कराया कि यह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के आयोजन से संबंधित एक विशिष्ट बैठक है। अतः प्रबंध मण्डल के पूर्व बैठक के कार्यवृत्त तथा अनुपालना प्रतिवेदन प्रबंध मण्डल की आगामी बैठक में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किये जावेंगे।

माननीय कुलपति महोदय ने तृतीय दीक्षांत समारोह की होने वाली गतिविधियों की तैयारी के संबंध में सदन को संबोधित करते हुए अवगत कराया कि विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह दिनांक 13.03.2016 को आयोज्य है जिसमें माननीय कुलाधिपति महोदय व राज्यपाल महोदय के पधारने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। चूंकि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय का एक गरिमामय आयोजन है। अतः उस आयोजन को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की तैयारियां चरम सोपान पर है। दिनांक 16.05.2015 को आयोजित विद्या परिषद् तथा दिनांक 02.07.2015 को आयोजित प्रबंध मण्डल की बैठकों में परीक्षा वर्ष 2010 से 2014 तक की समस्त डिग्रियों का "ग्रेस पास" करवाया जा चुका है।

माननीय कुलाधिपति महोदय की सुरक्षा, मौसम परिवर्तन तथा पाण्डाल व्यवस्था पर अत्यधिक व्यय होने की संभावना को देखते हुये तृतीय दीक्षांत समारोह यू.आई.टी. सभागार में आयोजित करवाया जाना निश्चित हुआ है। इस हेतु मैं जिला कलक्टर महोदय को धन्यवाद देता हूं कि हमें यू.आई.टी. सभागार को दो दिन के लिये निःशुल्क उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में होने वाली विशेष गतिविधियों के संबंध में माननीय कुलपति महोदय द्वारा सदन को अवगत कराया कि जिस समय माननीय कुलाधिपति दीक्षांत समारोह में उपाधियां वितरित कर रहे होंगे उसी समय कोटा के तीन राजकीय महाविद्यालय क्रमशः राजकीय महाविद्यालय, कोटा, जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा तथा राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, कोटा में भी उपाधि वितरण का कार्य किया जावेगा और इस कार्यक्रम को सभागार में बैठे महानुभाव भी देख सकेंगे। यू.आई.टी. सभागार में इंटरनेट के जरिए इस प्रकार का प्रदर्शन किए जाने की व्यवस्था भी की जा रही है।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 13.03.2016 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति का अनावरण भी किया जावेगा तथा दिनांक 14.03.2016 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव डूँगरज्या का भ्रमण भी किया जावेगा।

तत्पश्चात् प्रबन्ध मण्डल के सदस्य सचिव द्वारा विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए सदन से निवेदन किया कि विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह के लिए समितियों का गठन, परीक्षा वर्ष 2010 से 2014 तक की उपाधियों एवं मेडल्स का

निर्माण करवा कर उनकी जांच संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। तदनुसार दीक्षांत समारोह में वर्ष 2010 से 2014 तक की परीक्षाओं मय पीएच.डी की कुल 217056 उपाधियां तैयार करवायी गयी है। दीक्षांत समारोह दिवस पर विभिन्न संकाय में वर्षवार वरियता सूची में रहे कुल 280 विद्यार्थियों को तथा इसी अवधि में पीएच.डी डिग्रीधारी कुल 190 विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा उपाधियों एवं मेडल्स प्रदान किये जावेंगे।

इसी संबंध में माननीय सदन को यह अवगत करवाया जाना समीचीन होगा की विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह की तैयारियों के संबंध में आवश्यक सभी व्यवस्थाऐं/कार्य लगभग पूर्ण कर लिये गये है जिसमें समारोह में बुलवाये जाने वाले विद्यार्थियों एवं आगन्तुकों को सूचना/आमंत्रण पत्र प्रेषित किये जा चुके है। समारोह की अध्यक्षता माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा की जावेगी तथा श्री कालीचरण सर्राफ, माननीय उच्च, तकनीकी, संस्कृति मंत्री महोदय राजस्थान सरकार, जयपुर भी उपस्थित होंगे। समारोह मे दिये जाने वाले अध्यक्षीय उद्‌बोधन का प्रारूप माननीय कुलाधिपति महोदय को तथा माननीय मंत्री महोदय के उद्‌बोधन का प्रारूप भी माननीय मंत्री महोदय को प्रेषित किया जा चुका है। समारोह में बाहर से पधारने वाले प्रबंध मण्डल व विद्या परिषद् के सदस्यों तथा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपतियों के आवास एवं परिवहन इत्यादि की व्यवस्थाऐं भी कर ली गई है।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों की पालना मे दीक्षांत समारोह के लिए परम्परागत वेशभूषा (गाउन) के स्थान पर राजस्थान की संस्कृति को ध्यान में रखकर उक्त समारोह के लिए माननीय सदस्यों एवं विद्यार्थियों, पुरुषों के लिए– सफेद पेंट/सफेद पायजामा/कुर्ता/सफेद धोती तथा सफेद शर्ट/सफेद जोधपुरी कोट तथा महिलाओं के लिए– सफेद साड़ी तथा सफेज पायजामा/सफेद सलवार, सफेद कुर्ता तथा सफेद दुपट्टा, वेशभूषा (साड़ी व दुपट्टे का बॉर्डर रंगीन हो सकता है) निर्धारित की गयी है।

दीक्षांत समारोह के आयोजन से एक दिन पूर्व समारोह का पूर्वाअभ्यास (रिहर्सल) किये जाने के प्रावधानों के दृष्टिगत दिनांक 12.03.2016 को अपरान्ह 02.00 बजे पूर्वाअभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा जिसमें माननीय प्रबंध मण्डल के समस्त सदस्य आमंत्रित है। इसी प्रकार दिनांक 13.03.2016 को दोपहर 12.00 बजे दीक्षांत समारोह आयोजित होगा जिसके लिए माननीय सदस्यों को 11.00 बजे उपस्थित होने का अनुरोध किया गया।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 13.03.2016 को ही विश्वविद्यालय का भ्रमण करते हुऐ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति का अनावरण भी किया जावेगा। उक्त कार्यक्रम भी माननीय सदन के समक्ष प्रस्तुत है। इसी कम में निवेदन है कि माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा दिनांक 14.03.2016 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये आदर्श ग्राम डूंगरज्या का भ्रमण करेंगे। उक्त गाव में विश्वविद्यालय द्वारा की गई एवं की जा रही गतिविधियों के बारे में प्रो0 आशु रानी ने सदन को विस्तार से अवगत कराया।

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के संबंध में उक्त तथ्यात्मक स्थिति माननीय प्रबंध मण्डल के समक्ष प्रस्तुत कर समारोह की गरिमा को बढ़ाये जाने के संबंध में सदस्य सचिव द्वारा माननीय सदस्यों से महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित किये गये।

विश्वविद्यालय द्वारा अपना दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किए जाने के संबंध मे माननीय सदस्य डॉ. जगतनारायण द्वारा यह सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय परिसर मे ही इतनी क्षमता का सभागार निर्मित कराया जाए जिसमें विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह अथवा अन्य कोई बडे आयोजन कर सके। इस पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा इस सुझाव के क्रियान्वयन के संबध में वित्त उपलब्ध हो सके ऐसी संभावनाओं पर तलाश कर आवश्यक कार्यवाही करने का विचार प्रस्तुत किया।

इसी बिन्दू पर चर्चा करते हुए माननीय सदस्य हीरालाल जी नागर द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में बन रहे खेल संकुल के भवन में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना पर विचार करने का प्रस्ताव रखा।

माननीय सदस्य नागर सा. द्वारा दीक्षांत समारोह में आने वाले दीक्षार्थियों एव उनके अभिभावकों के लिए समुचित आहार उपलब्ध हो सके ऐसी व्यवस्था करने का सुझाव दिया। इस सौजन्य के निमित्त समस्त सदन ने अपनी सम्मति जाहिर की।

माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा आदर्श ग्राम डूंगरज्या के भ्रमण के दौरान वहां पर वर्षा की संभावना को देखते हुए टेन्ट व्यवस्था करने बाबत् माननीय विधायक हीरालाल जी नागर द्वारा सुझाव दिया गया। माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा पूर्व में किये गये डूंगरज्या गांव का भ्रमण के फोटो प्राप्त कर बडे फ्लेक्स बनवाकर प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने का सुझाव माननीय नागर साहब द्वारा दिया गया। इसी के साथ मे माननीय विधायक श्री हीरालाल जी नागर व श्रीमति चन्द्रकान्ता मेघवाल द्वारा अन्य महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये गये जो निम्नानुसार है --

1. सी.एफ.सी.एल. तथा अन्य एजेंसियों को भी आदर्श ग्राम प्रोजेक्ट में सम्मिलित किया जावे।
2. कम्प्यूटर साक्षरता की कार्यशाला गांव नें नियमित हो।
3. दुग्ध उत्पादों के संबंध में विशिष्ट जानकारिया ग्रामीणवासियों को उपलब्ध करवायी जायें।
4. ग्रामीणवासियों के व्यक्तिगत लाभ की योजना आदि समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास किये जायें।
5. बैंक लोन से संबंधित जानकारिया भी गांव में लोगो को उपलब्ध करवायी जायें।

माननीय कुलपति महोदय व सदस्य सचिव द्वारा उपरोक्त सुझावों के कियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रयास किये जाने का आश्वासन दिया।

पूर्व में विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम– छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह की सूचना नहीं दिए जाने को लेकर माननीय विधायक चन्द्रकान्ता मेघवाल ने आपत्ति जाहिर की। इस पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा सदन को अवगत कराया कि छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह छात्र संघ परिषद की गतिविधि है तथा भविष्य में आमंत्रण पत्र सभी तक पहुंचे यह सुनिश्चित किया जावेगा।

निर्धारित एजेण्डा पर चर्चा हो जाने के पश्चात् माननीय कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय के परीक्षा कार्य से संबधित कार्मिकों के पारिश्रमिक मानदेय भुगतान की अनुमति राज्य सरकार से अपेक्षित होने के संबंध में सदन के माननीय विधायक सदस्यों श्री हीरालाल जी नागर व श्रीमति चन्द्रकान्ता मेघवाल से निवेदन किया गया कि वे अपने स्तर पर राज्य सरकार से इस संबंध में अनुमति शीघ्र दिलवाने का प्रयास करें ताकि विश्वविद्यालय का परीक्षा संबंधी कार्य निर्बाध रूप से चलता रहे। भुगतान विश्वविद्यालय की परीक्षा से होने वाली आय से किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की नियुक्ति संबधी लिफाफे जो राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही जांच के विचाराधीन होने से खोले नही जा रहे हैं उन्हे खुलवाने हेतु भी माननीय विधायकगण राज्य सरकार से अपने स्तर पर खुलवाए जाने संबंधी कार्यवाही करे ताकि विश्वविद्यालय में कर्मचारियों का पदस्थापन हो सके व रिक्त पदों पर भर्ती हो सके।

अन्त में कुलपति महोदय ने सभी माननीय सदस्यों का बैठक में सक्रियता से भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया।

बैठक आसन को धन्यवाद के साथ पूर्ण हुई।

(अम्बिका दत्त)
कुलसचिव एवं सदस्य सचिव